सच्चा गुरु

रवि कुमार गुप्ता
छात्राध्यापक

एक बार एक बुढ़िया अपने ८ साल के पोते को लेकर महात्मा बुद्ध के आश्रम में गयी। काफी देर के बाद जब उसकी बारी आयी तो उसनें महात्मा बुद्ध से कहा "हे महात्मा, मेरा यह ८ साल का पोता बहुत मीठा खाता है। मै इसकी इस आदत से बहुत परेशान हूँ। मैने इसे बहुत समझाया कि मीठा अधिक खाने से दाँतो में रोग लग जायेगा, दाँत खराब हो जायेगें परन्तु यह मेरी बात नही सुनता। अब आज से यह आप का शिष्य है और इसे आप ही समझाइये और इसकी ये बुरी आदत सुधारिये।"

महात्मा बुद्ध ने कुछ देर उस बालक को देखा और फिर कुछ देर बाद उस वृद्धा को देखकर बोले "हे माता आज आप इस बालक को लेकर घर जाये अभी मैं इसे शिक्षा देने के लिये तैयार नही हूँ। आप इसे तीन दिन बाद मेरे पास लेकर आये।" फिर बुढ़िया उस बालक को लेकर अपने घर चली गयी।

तीन दिन बाद वह बुढ़िया उस बालक को लेकर महात्मा बुद्ध के पास आयी तथा उनसे बालक के मीठा खाने की आदत को छुड़ाने की विनती की। तो महात्मा बुद्ध ने उसे फिर तीन दिन बाद आने को कहा और कहा कि मैं इसे अभी शिक्षा देने के लिये तैयार नही हूँ। ।" अतः बुढ़िया फिर उस बालक को लेकर अपने घर चली गयी।

Snow Kids

फिर तीन दिनो बाद वह बुढ़िया उस बालक को लेकर बुद्ध के पास आयी तथा पुनः उनसे बालक को शिक्षा देने का निवेदन किया तो महात्मा बुद्ध ने उसे फिर वही जवाब दिया और तीन दिन बाद आने को कहा। इस बार वह बुढ़िया नाराज हो गयी और बोली तू कोई महात्मा नही है। तू एक छोटे से बालक की मीठा खाने की साधारण सी आदत छुड़ाने में बहाने कर रहा है। तू तो इस छोटे से काम में भी असफल रहा है। तू किसी का गुरु बनने के लायक नही है।

इस पर महात्मा बुद्ध नम्रता से उस बुढ़िया से बोले– "हे माते आपने सत्य कहा। मै कोई गुरु या महात्मा नही हूँ। अगर मैं कोई गुरु या महात्मा होता तो मैं इस बालक की मीठा खाने की आदत को पहले दिन ही छुड़ा देता। पर मै क्या कॅरु मैं स्वंय इस रोग से ग्रसित हूँ। मैं स्वंय भी अधिक मीठा खाता हूँ, तो मैं इस बालक को मीठा छोड़ने की शिक्षा कैसे दे सकता हूँ। **एक सच्चा गुरु वही होता है जो अपने छात्रो को कोई शिक्षा या सीख देने से पहले उसे खुद अपनाये न कि केवल अपने छात्रो को ही सिखाने का प्रयास करे।**

यह सुनकर उस वृद्धा ने अपनी नजरे झुका ली। वह समझ गई कि महात्मा बुद्ध का इशारा उसकी तरफ है। वह बुढ़िया खुद भी बहुत मीठा खाती थी। उसने महात्मा बुद्ध से क्षमा मॉगी तथा उस बालक के साथ अपने घर चली गई। कुछ दिनो में ही उस बुढ़िया ने तथा उस बालक ने मीठा खाने की आदत छोड़ दी।

Snow Kids